



# भारत का राजस्त्र The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 444] नई विल्सो, शुक्रवार, अक्टूबर 14, 1977/आदिवन 22, 1899  
No. 444] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 14, 1977/ASVINA 22, 1899

इस भाग में भिन्न पट्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्ति संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

## NOTIFICATION

## WEALTH-TAX

New Delhi, the 14th October 1977

**S O 721(E)**—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely,—

1 These rules may be called the Wealth-tax (Third Amendment) Rules, 1977

2 After rule 1A of the Wealth-tax Rules, 1957, the following rule shall be inserted, namely—

1AA *Prescribed authority for the purposes of section 5(1)(xxxiv)*—For the purposes of clause (xxxiv) of sub-section (1) of section 5,—

(i) the Chief Controller of Imports and Exports, Ministry of Commerce, Government of India, shall be the "prescribed authority" for specifying the percentage of total production to be exported by a company for the purposes of the said clause and for certifying that the company has undertaken the export of such percentage of its total production as has been so specified;

(ii) the Controller of Capital Issues, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Government of India, shall be the "prescribed authority" for certifying that an issue of equity share capital has been made by a company after the 31st day of March, 1976, for the purposes of expansion or diversification of its industrial undertaking'

[No 2009/F.No. 143(8)/76-TPL]

S. N. SHENDE,

Secy., Central Board of Direct Taxes

(2689)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

धन-कर

नश । दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1977

का० आ० 721(अ)।—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, धनकर नियम, 1959 में और मंशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अधृत।—

1. इन नियमों का नाम धनकर (तृतीय मण्डल) नियम, 1977 है।

2. धनकर नियम, 1957 में नियम 1क के पश्चात्, निम्नलिखित नियम द्वारा जाएगा, अधृत।—

“1क क-धारा 5(1) (XXIV) के योजनों के लिए विहित प्राधिकारी”—

धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (XXIV) के प्रयोजनों के लिए,—

(i) मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार वह “विहित प्राधिकारी” होगा जो उक्त खण्ड के प्रयोजनों के लिए किसी कम्पनी द्वारा नियंत्रित के लिए किए गए कुल उत्पादन का प्रतिशत विनिर्दिष्ट करेगा और यह प्रमाणित करेगा कि कम्पनी ने अपने कुल उत्पादन के ऐसे विनिर्दिष्ट किए गए प्रतिशत का निर्यात करने के लिए वचन-बन्ध कर लिया है,

(ii) नियंत्रक, पंजी निर्गम, प्राधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार वह “विहित प्राधिकारी” होगा, जो किसी कम्पनी द्वारा अपने औद्योगिक उपकरणों के विस्तार या विविधकरण के योजनों के लिए 1976 के मार्च के 31वें दिन के पश्चात् उस कम्पनी, द्वारा निर्गमित साधारण शैयर पूँजी को प्रमाणित करेगा।”।

[सं० 2009 /का०स० 143(8) '76-टी पी एल]

सं० एन० शेण्डे,

सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977